साहस और रोमांच से भरा एक दिन

गुरुवार को केरवा डेम में द संस्कार वैली स्कूल के 5वीं से 11वीं के 64 स्टूडेंट्स ने लिया एडवेंचर एक्टीविटीज में हिस्सा

सिटी रिपोर्टर • सर मुझे ऊंचाई और पानी से डर लगता है। मैडम मैं नहीं कर सकती। पहले ऐसे ही जवाब स्टूडेंट्स ने टीचर्स को दिए। जब टीचर्स ने मोटीवेट किया, तो स्टूडेंट्स ने स्काई जिपिंग और रैपलिंग जैसी एडवेंचर एक्टिविटीज़ को अंजाम दिया। यह नजारा था गुरुवार को केरवा डेम में द संस्कार वैली स्कूल स्टूडेंट्स के लिए हुए एडवेंचर कैंप का। इसमें रेसीडेंशियल 5वीं से 11वीं तक के 64 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। इसमें स्कूल के चार हाउस सत्या, उदयन, प्रज्ञान और प्रवीर के स्टूडेंट्स ने फैकल्टी सई प्रवीण, मंजु, शालिनी, अमल, पॉल और अतुल के साथ टारगेट शूटिंग और मंकी क्रालिंग की।

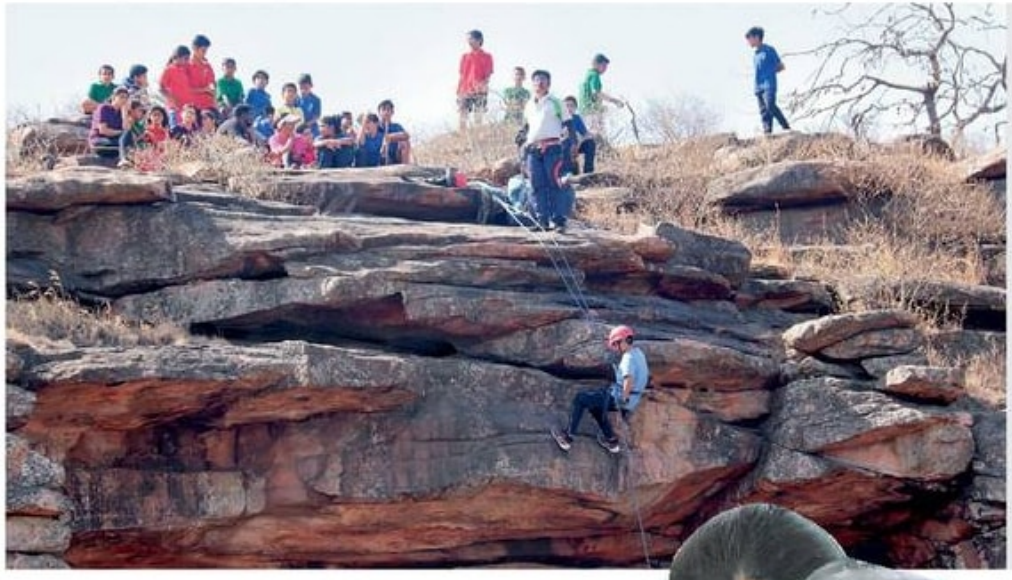

70 फीट की ऊंचाई से उतरे रैपलिंग में

डेम की पहाड़ियों से रस्सी के सहारे चट्टानों पर मजबूती के साथ पैर जमाते हुए स्टूडेंट्स 70 फीट की ऊंचाई से नीचे उतरे। पार्टिसिपेंट्स पहले सहमे थे, लेकिन एक्टिविटीज़ को अंजाम देने के बाद उनके चेहरे पर आत्मविश्वास था।

ट्विन जिप में लगाई रेस

510 मीटर लंबी ट्विन जिप पर स्टूडेंट्स ने केरवा डेम के ऊपर से स्काई जिपिंग का भरपूर रोमांच उठाया। इसमें दो लोगों ने रेस भी लगाई। इंस्ट्रक्टर राकेश, अंकुर और मुकेश के इंस्ट्रक्शन को फॉलो करके कुछ स्टार्टिंग पॉइंट से फिनिशिंग पॉइंट तक पहुंचे, तो कुछ बीच में ही रुक गए।

टारगेट पर साधा निशाना

टारगेट शूटिंग में 10 में से 10 शॉट टारगेट के बुल यानी सेंटर सर्किल में मारने की होड़ लगी थी।

शेयर किए एक्सपीरियंस

11वीं की स्टूडेंट चारुल हजारी ने बताया कि मैंने इस एक्टिविटीज को दूसरी बार किया। शुरू में थोड़ा सा डर लगा लेकिन बाद में एंजॉय किया।

8वीं की स्टूडेंट समृध्दि सिंह ने कहा कि मुझे बहुत डर लग रहा था, लेकिन जब सर ने मोटीवेट किया तो मैंने एक्टिविटीज पूरी की।

11वीं की स्टूडेंट अंशी मिश्रा ने कहा कि मुझे पानी और ऊंचाई से बहुत डर लगता था। जब मैं जिपिंग में ऊंचाई पर और नीचे देखा तो मैं डर गई, लेकिन टॉस्क कंप्लीट करने के बाद अच्छा फील हुआ। मेरा डर भी कुछ कम हुआ।

8वीं की स्टूडेंट तेजस्विनी शर्मा ने कहा कि मुझे तो रैपलिंग में बहुत डर लग रहा था। सर बोल रहे थे मूव, लेकिन पहले मैं नहीं हिली। फिर सब दोस्तों ने मोटीवेट किया तो डरते-डरते मैं उतर गई।

8वीं की स्टूडेंट कैफी गर्ग ने बताया मैं तो रैपलिंग में खूब डर गई थी। आंख बंद कर ली। तब सर ने मुझसे कॉन्सट्रेट करने को बोला। फिर मैं धीरे-धीरे उतर गई। इस तरह टॉस्क पूरा किया।